an>

Title: Need to provide salary to Ayush doctors at par with Allopathic doctors.

श्री कपिल मोरेश्वर पाटील (भिवंडी) ः गांवों को स्वस्थ एवं विकसित करने के लिए भारत सरकार द्वारा जहां निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं वहीं लगभग 21 हजार आयुष डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात हैं, जो बड़े कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपना कार्य कर रहे हैं। वह सिर्फ आयुष पद्धति में ही नहीं बल्कि एलोपैथी में भी ग्रामीणों का उपचार कर रहे हैं। एम.बी.बी.एस. डॉक्टर गांवों में सेवा देने से कतराते हैं क्योंकि शहरों में उनको रोज़गार मिल जाता है। कई राज्यों में एम.बी.बी.एस. डॉक्टर को आयुष डॉक्टरों से दोगुना वेतन दिया जा रहा है, जो आयुष डॉक्टरों के साथ सरासर नाइंसाफी है क्योंकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत ज्यादातर योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से वित्तीय राशि दी जाती है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि आयुष डॉक्टरों को विशेषकर होम्योपैथी डॉक्टरों को एम.सी.आई. द्वारा तत्काल एक साल का एलोपैथिक प्रशिक्षण देकर एलोपैथिक चिकित्सा उपचार का अधिकार दिया जाए एवं प्रत्येक राज्य में एम.बी.बी.एस. और आयुष डॉक्टरों को एक समान वेतन देने हेतु निर्देश जारी करने के लिए यथाशीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाएं ताकि स्वस्थ भारत होने से ग्राम उदय से भारत उदय योजना को सफल बनाया जा सके।